प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के के.वी.के. के स्टाल कर रहे हैं किसानों को आकर्षित

पंतनगर। ०६ अक्टूबर, २०१८। विश्वविद्यालय में चल रहे अखिल भारतीय किसान मेला एवं उद्योग प्रदर्शनी में पंतनगर विश्वविद्यालय के उत्तराखण्ड में फैले विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के स्टालों पर किसानों के लिए विभिन्न उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है, जो मैदानी, पर्वतीय एवं अन्य क्षेत्रों के छोटे-बड़े सभी प्रकार के किसानों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक हैं। पिथौरागढ़ जिले के गैना अंचोली में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर तिमूर के बीज एवं इसका डंडा, बड़ी इलायची, आड़ू के बीज व काला जीरा किसानों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। ब्रोकली, राम करेला और स्ट्रोबेरी के पौधों के साथ-साथ विभिन्न सब्जियों इत्यादि की जानकारी ग्वालदम के कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर दी जा रही है। ज्योलिकोट का कृषि विज्ञान केन्द्र का स्टाल लाल व पीली शिमला मिर्च की प्रजातियों और गौमूत्र से बने कीटनाशक के कारण किसानों की जिज्ञासा का केन्द्र बना हुआ है। काशीपुर कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा बनाये गये बांस के हस्त निर्मित उत्पाद सबको अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ढकरानी कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर प्रदर्शित गन्ना की को-०२३१, मक्का की प्रजाति मक्का-३३७७ तथा स्थानीय अरवी की प्रजाति के साथ-साथ कैरी देवेन्द्र मुर्गी की नस्ल के अण्डे कृषकों में जिज्ञासा जगा रहे हैं। धनौरी कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टाल पर गन्ना और नैपियर घास के साथ सरसों, चना, मसूर के बीजों की प्रदर्शनी लगायी गयी है तथा इनकी उत्पादन तकनीक बतायी जा रही है। लोहाघ ाट कृषि विज्ञान केन्द्र में चाऊ-चाऊ, नींबू घास और पहाड़ी खीरा के फलों की उत्पादन तकनीक किसानों को बतायी जा रही है। मटेला में लौकी और पहाड़ी ककड़ी तथा जैविक हल्दी की खेती के बारे में किसानों को बताया जा रहा है। सुगंधित गुलाब और माल्टा की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन व उत्पादन तकनीक का केन्द्र रहा जागधार कृषि विज्ञान केन्द्र का स्टाल।

पंतनगर विश्वविद्यालय के दो विभागों, व्यावहारिक पशु विज्ञान विभाग एवं पादप रोग विज्ञान विभाग का पादप चिकित्सालय, के स्टाल अपने अलग प्रदर्शन का औचित्य साबित कर रहे हैं, जहां व्यवहारिक पशु विज्ञान विभाग के स्टाल पर डा. अशोक कुमार एवं डा. अनील कुमार द्वारा चारा संरक्षण यूरिया शीरा खनिज ब्लॉक, संपूर्ण आहार ब्लॉक, साइलेज, हे और रातिब मिश्रण इत्यादि की महत्वपूर्ण जानकारी किसानों को दी जा रही है वहीं पादप चिकित्सालय पर रावे कार्यक्रम के विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न फसलों पर लगने वाली बीमारियों एवं कीटों की क्षति के लक्षण, पहचान एवं नियंत्रण की जानकारी दी जा रही है, जो किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इसके अतिरिक्त समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन की भी जानकारी स्टाल पर प्रदान की जा रही है। विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के स्टालों पर भी वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों द्वारा नयी-नयी जानकारियां किसानों को दी जा रही हैं।